शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

'विद्यालय प्रबंधन समिति' प्रशिक्षण

सत्र (2018 - 19)

प्रशिक्षक हेतु प्रशिक्षण मॉडयुल

अभिभावक भागीदारी की ओर SMC के बढ़ते कदम

DELHI SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली

DELHI
SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

प्रशिक्षक हेतु प्रशिक्षण मॉडयुल

© राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली
जनवरी 2019
160 प्रतियाँ

मुख्य सलाहकार

संदीप कुमार, शिक्षा सचिव, दिल्ली सरकार
संजय गोयल , शिक्षा निदेशक, दिल्ली सरकार
डॉ . सुनीता एस कौशिक, निदेशक, एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली
रंजना देसवाल, राज्य परियोज़ना निदेशक, एस. एस. ए. , दिल्ली

मार्ग दर्शक

डॉ. नाहर सिंह, सयुंक्त निदेशक, एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली

समन्वयक एवं संपादक

रितिका डबास, वरिष्ठ प्रवक्ता, एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली

परियोज़ना कार्यदल

डॉ. नाहर सिंह, सयुंक्त निदेशक, एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली
रितिका डबास, वरिष्ठ प्रवक्ता ,एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली
धीरज कुमार रॉय, प्रवक्ता, एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली
सलोनी जैन, सी, एम, आई , ई, फ़ेलो ,एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली
शीतल सनवाल, साझा
उर्वशी,साझा
शौर्यदीप घोष (गाया स्टूडियो)

प्रूफ़ संशोधक

संजीव राज, प्रवक्ता, एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली
मनोज कुमार, प्रवक्ता, एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली

प्रकाशन अधिकारी

मुकेश यादव

प्रकाशन मंडल

नवीन कुमार , राधा , जय भगवान

प्रकाशक : राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली–110024
मुद्रक : STAR FORMS

निदेशक की कलम से

यह बड़े हर्ष की बात है कि हर साल की तरह "राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद" (SCERT) विद्यालय प्रबंधन समिति" सदस्यों के प्रशिक्षण हेतु एस.एम.सी (SMC) पुस्तिका प्रकाशित कर रही है| इस प्रकाशन का उद्देश्य दिल्ली के सभी विद्यालयों की "विद्यालय प्रबंधन समिति" सदस्यों को RTE अधिनियम, 2009 के तहत एस.एम.सी के कर्तव्य और दायित्व से अवगत करवाना है|

जैसा कि हम जानते हैं, एक बच्चे के विकास के लिए विद्यालय, अभिभावक और समाज का साथ काम करना ज़रुरी है, इन्ही को ध्यान में रखते हुए "शिक्षा का अधिकार" अधिनियम 2009 के तहत दिल्ली के सभी विद्यालयों में "विद्यालय प्रबंधन समिति" का गठन किया गया है| अब आवश्यक है कि विद्यालय स्तर पर यह समितियाँ प्रभावी रूप से गुणात्मक विकास के लिए कार्य करें, इसके लिए समिति का प्रशिक्षण परिषद द्वारा कराया जाता है| इन समितियों से अपेक्षा की जाती है कि विद्यालय स्तर पर शैक्षणिक और भौतिक रूप से आने वाली समस्याओं को हल करने के साथ -साथ, समुदाय में अन्य अभिभावकों में जागरुकता लाकर, समुदाय को विद्यालय से जोड़ने का कार्य भी करें|

इन्ही सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए समिति के सदस्यों के क्षमता संवर्धन हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला के लिए यह पुस्तिका तैयार की गयी है|

आशा है कि प्रशिक्षण हेतु यह पुस्तिका उपयोगी सिद्ध होगी और आने वाले समय में इन समितियों के योगदान से विद्यालय स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में प्रभावी सुधार देखने को मिलेगा| इस दिशा में प्रशंसनीय कार्य करने हेतु गैर सरकारी संस्था " साझा " एवं एस. सी. ई. आर. टी में श्री मती रितिका डबास एवं उनके कार्यदल को बधाई देती हूँ |

डॉ. सुनीता एस. कौशिक
निदेशक
एस. सी. ई. आर. टी, दिल्ली

आमुख

शिक्षा का अधिकार, अधिनियम 2009, भारतीय संविधान के 86वें संशोधन के तहत सामने आया और 1 अप्रैल, 2010 को लागू हुआ| अधिनियम के तहत प्रत्येक बच्चे को मुफ्त व् अनिवार्य शिक्षा पाने का अधिकार दिया गया है जो 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग में आता हो| इस आयु वर्ग के सभी बच्चों को अपने निवास स्थान के निकटतम विद्यालय में निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा पाने का अधिकार है| कोई भी विद्यालय बच्चे को दाखिले से इन्कार नहीं कर सकता| बच्चे को सरकारी विद्यालय में किसी भी तरह का प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष शुल्क भी नहीं देना पड़ता है| अभिप्राय यह है कि जब तक बच्चे की प्रारंभिक शिक्षा पूरी नहीं हो जाती है तब तक सरकार बच्चे को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध करवाएगी|

निजी विद्यालयों के लिए भी इस अधिनियम के तहत दिशा-निर्देश है कि उन्हें कुल नामंकन के 25% ऐसे बच्चों का दाखिला बिना किसी शुल्क के अपने विद्यालय में करना होगा जो कि आर्थिक रुप से कमज़ोर वर्गो से हैं| साथ ही यह निर्देश भी है कि निजी विद्यालय बिना किसी तरह के शुल्क के इन बच्चों को वे सभी सुविधाएँ उपलब्ध करवाएंगे जो शुल्क देने वाले बच्चे ले रहे होंगे|

अत: इस अधिनियम में इस तरह की व्यवस्था को कायम करने व् विधिवत क्रियान्वित करने के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति हो जिसमें विद्यालय, अभिभावक और समाज की प्रत्यक्ष भागीदारी हो ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत उक्त आयु वर्ग के सभी बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध हो भी रही है या नहीं? इसी के दृष्टिगत इस अधिनियम में माता-पिता, अभिभावक एवं शिक्षक, शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत सामाजिक कार्यकर्ता , जनप्रतिनिधि आदि की आवश्यक भागीदारी से प्रत्येक विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन का प्रावधान रखा गया है|

विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन विद्यालय में विकास की योजनाएँ बनाने के साथ-साथ सामाजिक सहयोग, जनभागीदारी एवं लोक सशक्तिकरण के लिए प्रभावी कदम है क्योंकि जनभागीदारी के बिना शिक्षा का अधिकार अधिनियम के उद्देश्यों की प्राप्ति नहीं की जा सकती| इसलिए शिक्षा के मौलिक अधिकार के अधिनयम में सामुदायिक सहभागिता की अनिवार्यता को ज़ोरदार ढंग से रखा गया है| उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों की प्रभावी भूमिका हेतु प्रशिक्षण के लिए यह पुस्तिका तैयार की गयी है| जिसमें विद्यालय प्रबंधन समिति से संबंधित विभिन्न मुद्दों जैसे विद्यालय प्रबंधन समिति की शिक्षा के अधिकार में आवश्यकता, विद्यालय विकास योजना, विद्यालय में आपसी सहयोग और अभिभावक भागीदारी बढ़ाने के विभिन्न तरीकों आदि पर रोचक व् प्रभावी क्रियाकलापों के माध्यम से विस्तृत चर्चा की गयी है|

इस कार्य के सृजन में परिषद् के शिक्षाविदों और गैर-सरकारी संस्था “साझा” का विशेष रूप से आभार प्रकट करना चाहूँगा जिनके प्रयासों के बिना इस दस्तावेज़ को पूरा नहीं किया जा सकता| आशा है कि यह दस्तावेज़ “विद्यालय प्रबंधन समिति” के सदस्यों के क्षमता संवर्धन में सहायक सिद्ध होगा|

शुभकामनाओं सहित

डॉ. नाहर सिंह
संयुक्त - निदेशक
एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

परिचय

नि: शुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम 2009 (आरटीई) के अनुच्छेद 21, सभी स्कूलों और देश के विशेष श्रेणी के स्कूलों में स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी) के गठन का निर्देश है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम स्कूल के कामकाज में माता-पिता की सक्रिय भागीदारी के साथ प्रशासन के एक विकेन्द्रीकृत मॉडल की मूल इकाई के रूप में एसएमसी की कल्पना करता है।

SMC के सदस्यों की क्षमता विकास हेतु यह पुस्तिका तैयार की गयी है ताकि समिति के सदस्य विद्यालय के विकास में अपना सहयोग दे सके| यह पुस्तिका तैयार करने के लिए एक प्रक्रिया बनाई गयी है जिसके तहत i) अपेक्षाओं का मूल्यांकन ii) परिणामों का परिचित्रण iii) विषय-वस्तु (सत्रों) की रचना iv) प्रोटोटाइप v) पुनरीक्षण आता है |

प्रक्रिया की शुरुआत करने के लिए सबसे पहले एसएमसी सदस्यों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं का मूल्यांकन किया और इसके तहत एसएसएमसी से जुड़े पदधारकों के साथ समूह चर्चा कर एक प्रश्नवाली तैयार की गयी थी| इस प्रश्नवाली को एस एस ए (SSA) में कार्यरत सीआरसीसी (CRCC) ने दिल्ली के 216 स्कूलों के 6-6 एसएमसी सदस्यों(1 प्रधानाचार्य, 1 टीचर कन्वीनर,1 सामाजिक कार्यकर्ता, 1 जनप्रतिनिधि, 2 अभिभावक सदस्य) से गूगल फॉर्म की सहायता से भरवाया | हर सदस्य को 11 में से तीन विषयों को चुनना था जिस पर वह प्रशिक्षण चाहते थे |

इन फॉर्म्स का विश्लेषण कर पांच विषय चुने जिन्हें एसएमसी सदस्यों ने प्राथमिकता दी थी| इस विषय सूची में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत बच्चों को मिलने वाली सुविधाएँ और SMC की आवश्यकता, कार्य और दायित्व हैं| इसके साथ ही विद्यालय की वार्षिक कार्ययोज़ना का निर्माण एवं क्रियान्वन, बच्चों के सीखने के स्तर और अभिभावक भागीदारी को बढ़ाने जैसे विषयों को भी शामिल किया गया है | इन चुने गए विषयों पर गतिविधियाँ तैयार की गयी जिन्हें कुछ स्कूलों के SMC सदस्यों, डीआरयू और डीयूआरसीसी के साथ प्रोटोटाइप करने के बाद बनायी गयी है और सभी सुझावों को गतिविधियों में सम्मिलित किया गया|

SMC सदस्यों को ध्यान में रखते हुए, इस पुस्तिका को वीडियो, गतिविधियों, चित्र आदि के द्वारा रोचक व् सरल बनाने का प्रयास किया गया है| इस प्रशिक्षण मॉड्यूल को गूगल क्लासरूम के द्वारा सभी सीआरसीसी (मुख्य प्रशिक्षक) के साथ साझा किया गया| पर यह पुस्तिका बनाने का उद्देश्य तभी सफल होगा जब इन सभी बिंदुओं को विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य गहन अध्ययन कर अपने स्कूल की स्थिति को जान पायेंगे और विद्यालय विकास योजना का निर्माण करके उसका क्रियान्वन भी सुनिश्चित कर सकेगें |

आशा है कि यह पुस्तिका आप सभी के लिए उपयोगी सिद्ध होगी और आप प्रभावीरूप से इसका उपयोग कर अपने स्कूल के विकास में सहयोग कर पाएंगे| पुस्तिका के विकास से संबंधित व्यक्तियों की भूमिका और सहयोग महत्वपूर्ण है|

आपके द्वारा दिए गए सुझाव का सदैव स्वागत रहेगा|

समन्वयक एवं संपादक
रितिका डबास
वरिष्ठ प्रवक्ता
एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली

हम इस पुस्तिका से जानेगें कि

क्रमांक संख्या	सत्र का नाम	सत्र का उद्देश्य
पहला दिन		
1	'शिक्षा का अधिकार" अधिनियम (RTE)	1. शिक्षा का अधिकार' के महत्व के बारे में समझ बनाना 2. शिक्षा का अधिकार' के अंतर्गत मिलने वाले सुविधाओं के बारे में जागरूक करना | 3 .प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागी विद्यालय स्तर और सुमदाय स्तर पर अन्य लोगों को 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बता पाएं इसके लिए उन्हें तैयार करना |
2	SMC के कार्य	1. प्रतिभागियों की SMC से जुड़े कार्यों पर समझ बनाना | 2. प्रतिभागियों की समझ विकसित करना कि वे SMC के कार्यों को पूरा करने के लिए क्या-क्या एक्शन ले सकते हैं |
दूसरा दिन		
1	विद्यालय विकास योज़ना (SDP)	1. प्रतिभागियों की 'विद्यालय विकास योज़ना" (SDP) के फॉर्मेट और उसके उद्देश्य पर समझ बनाना | 2. प्रतिभागियों की SDP बनाने के स्टेप्स पर समझ बनाना | 3. प्रतिभागियों को सोचने के लिए सक्षम बनाना कि SDP में SMC क्या- क्या काम कर सकती है |
2	माता-पिता की भागीदारी क्यों ?	1. प्रतिभागियों की समझ बनाने हेतु माता-पिता की भागीदारी की आवश्यकता | 2. प्रतिभागियों की 'माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने वाले टूल्स' पर समझ बनाना | 3. प्रतिभागियों की क्षमता बढ़ाना ताकि वे अन्य माता-पिता तक भी 'माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने वाले टूल्स' पहुंचा सकें |
तीसरा दिन		
1	समस्या और समाधान	1. प्रतिभागियों की 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' पर समझ विकसित करना | 2. प्रतिभागियों की इस फ्रेमवर्क के उपयोग पर समझ बनाना ताकि वे अपने जीवन में/ अन्य माता-पिता के साथ इस फ्रेमवर्क को इस्तेमाल कर सकें |
2	मेरी SMC की योजना	1. हर SMC समूह मिलकर आगे काम करने की योजना बना सकें |

कार्यशाला को प्रभावी बनाने हेतु ध्यान रखने योग्य बातें...

बैठने की व्यवस्था:

- कार्यशाला में सभी प्रतिभागी अपने स्कूल समूह में बैठेगे |
- जैसे एक स्कूल से 6 SMC सदस्य आए हो,तो वे सभी एक साथ एक टेबल पर बैठेगे |
- छोटे समूह में बैठने से प्रतिभागियों की कार्यशाला में भागीदारी बढ़ती है | तथा वह ज्यादा बेहतर तरीके से मुद्दो को समझ पाते है |
- छोटे समूह में काम करने से प्रशिक्षक को भी सत्र लेने में सरलता रहती है

कार्यशाला का वातावरण:

- कार्यशाला के स्थान पर कुछ पढ़ी या देखे जा सक्ने वाली चीजे दीवारों पर लगा दे | जैसे - SMC पर मेरी समझ किताब, गीत, कहानी, बच्चों टूल्स आदि |
- कार्यशाला के कमरो की दीवारों पर लगी विषय-वस्तु के कारण प्रतिभागी कार्यशाला से जुड़ाव महसूस करेंगें और खाली समय में इनको पढ़ सकते है |
- जो सत्र हो चुके है उनसे संबन्धित प्रस्तुतीकरण शीट को दीवारों पर लगा सकते है |

गतिविधि आधारित सत्र:

- सत्र से संबन्धित मुद्दो पर समझ बनाने के लिए प्रतिभागियों को विडियो जरूर दिखाये |
- इससे अध्यापको के साथ साथ अभिभावकों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा सकती है |
- प्रत्येक सत्र की शुरुआत विडियो या पिक्चर कार्ड से की गयी से जिससे प्रतिभागी मुद्दो को समझ पाते है |
- प्रशिक्षक भी गतिविधि के माध्यम से अपनी बात को प्रभावी रूप से समझा पायेंगे |

अनुक्रमणिका

क्र. स.	विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या
1.	परिचय गतिविधि	1
2.	शिक्षा का अधिकार (सत्र विवरण व् संकेत कार्ड)	2-3
3.	SMC के कार्य (सत्र विवरण व् संकेत कार्ड)	4-5
4.	विद्यालय विकास योजना (सत्र विवरण व् संकेत कार्ड)	6-7
5.	अभिभावक भागीदारी- क्यों और कैसे (सत्र विवरण व् संकेत कार्ड)	8-9
6.	समस्या समाधान (सत्र विवरण व् संकेत कार्ड)	10-11
7.	योजना शीट (सत्र विवरण व् संकेत कार्ड)	12-13

परिचय गतिविधि

उद्देश्य: प्रतिभागियों को एक- दूसरे से परिचित करवाना व् कार्यशाला के विषय में संक्षिप्त में बताना |

प्रशिक्षक के लिए निर्देश: प्रशिक्षक पहले ही कार्यशाला में होने वाले सत्रों पर समझ बना ले व् सोचे कि वे किस तरह प्रतिभागियों को कार्यशाला के विषय में संक्षिप्त में बताएंगे |

प्रक्रिया

1. सभी प्रतिभागियों को समूह में विभाजित करे |
2. प्रतिभागियों को अपने बारे में कोई 2 सत्य व् एक झूठ बात सोचने के लिए 3 -4 मिनट का समय दे |
3. सभी समूह के प्रतिभागियों द्वारा अपने समूह में बातें साझा करने को कहे |
4. समूह के अन्य साथियों द्वारा झूठी बात पहचानने को कहे |

चुनौती

1. सभी प्रतिभागी भाग न ले पाये |

समाधान

1. प्रशिक्षक प्रत्येक समूह में जाकर सुनिश्चित करे कि समूह का हर एक सदस्य गतिविधि ले |

लाभ

1. कार्यशाला की शुरुआत में इस तरह की गतिविधि होने से प्रतिभागी एक दूसरे से घुल-मिल पाते हैं|
2. कार्यशाला के उद्देश्य व सत्रों के विषय में जानकारी होने से वह कार्यशाला से जुड़ाव महसूस करते है|

आवश्यक समाग्री

1. कार्यशाला के विषय में बताने हेतु चार्ट, PPT आदि |

सत्र का नाम - 'शिक्षा का अधिकार" अधिनियम(RTE)

उद्देश्य: 1. शिक्षा का अधिकार' अधिनियम के महत्व के बारे में और उसके अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जागरूक करना |
2.प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागी विद्यालय स्तर और सुमदाय स्तर पर अन्य लोगों को 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बता पाएं इसके लिए उन्हें तैयार करना |

प्रशिक्षक के लिए निर्देश: प्रशिक्षक सत्र से पहले 'शिक्षा का अधिकार' (क्या है और उसकी सुविधाएं) के मुख्य बिंदुओं और सत्र की प्रक्रिया पर समझ बना ले |

स्टेप-1 (35 - 40 मिनट)

1. प्रतिभागियों से सवाल पूछे (10 मिनट)
आपमे से "शिक्षा का अधिकार अधिनियम" (RTE) के बारे में किस किसने सुना है?
"शिक्षा का अधिकार" RTE) अधिनियम क्या है?
2. प्रतिभागियों को "शिक्षा का अधिकार" विडियो दिखाएं (10 मिनट) -
https://www.youtube.com/watch?v=h_vyk1XEYVE&t=2
3. सभी समूह को वर्कशीट 1(a) दे व समूह में चर्चा करने को कहे | (5-7 मिनट)
   - इस वीडियो में कौन-कौन सी सुविधाएँ बताई गई हैं ?
   - स्कूल स्तर पर यह सुविधा किस आयु वर्ग के बच्चों के लिए है ?
   - 'शिक्षा के अधिकार' के अंतर्गत "मुफ्त व अनिवार्य" शिक्षा का मतलब क्या है?
4.बड़े समूह में प्रस्तुतीकरण करवायें (10 मिनट)

स्टेप- 2 (20-25 मिनट)

1.सभी समूहों में "शिक्षा का अधिकार" शीट [वर्कशीट - 1 (b) दें |
2.प्रतिभागी समूह शीट में "शिक्षा का अधिकार" के अनुसार मिलने वाली सुविधाओं के सामने 'हाँ या नहीं' का निशान लगाने को बोले|
3.वर्कशीट 1(b) में प्रतिभागी को "बिन्दु सही क्यों लग रहा है" - लिखने को कहे |
4.सभी समूहों से एक-एक कर बिन्दु पर निशान लगाने का कारण पूछें|
5.प्रशिक्षक 'शिक्षा का अधिकार' से जुड़े इन सभी बिंदुओं को संक्षिप्त में बताएं |

स्टेप- 3 (25-30 मिनट)

1.प्रतिभागी समूह को वर्कशीट 1(c) दें व 5-7 मिनट में समूह को कोई भी गतिविधि चुनने को कहे जिस तरीके से वह स्कूल/समुदाय स्तर पर 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बताएँगे |
2. 2 या 3 समूह से चुनी हुई गतिविधि पूछे और हर समूह को 5 मिनट में उसी तरीके से 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बड़े समूह में बताने को बोले |
3. प्रतिभागियों को स्कूल में "शिक्षा का अधिकार" से संबंधित पढ़ने हेतु सामग्री के बारे में बतायें|
समाप्ति का बिंदु - 'शिक्षा का अधिकार" में बताए गए बिंदु पर SMC कैसे सहयोग दे सकती है? यह अगले सत्रों में जानेंगे |

चुनौती

1. "शिक्षा का अधिकार" अधिनियम के अंतर्गत सभी नियमों को समझाना |

समाधान

1. वर्कशीट में आसान भाषा में "शिक्षा का अधिकार" के बिंदुओं को बताया गया है |
2. प्रशिक्षक सत्र के अंत में "शिक्षा का अधिकार" से जुड़े सभी बिंदुओं को संक्षिप्त में समझाएँ |

लाभ

1.विडियो या 'शिक्षा का अधिकार' शीट के माध्यम से प्रतिभागी "शिक्षा का अधिकार" के बिंदुओं को समझ पाएंगे |
2. प्रशिक्षण के बाद विद्यालय स्तर और सुमदाय स्तर पर अन्य लोगों को 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बताने के लिए सक्षम महसूस करवा सकेंगें |

आवश्यक समाग्री

वर्कशीट 1(a), वर्कशीट 1(b), वर्कशीट 1(c), वीडियो, प्रॉजेक्टर एवं स्पीकर |

दिन 1	सत्र का नाम - शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) उद्देश्य : 1. शिक्षा का अधिकार' के महत्व के बारे में और उसके अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जागरूक करना | 2.प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागी विद्यालय स्तर और सुमदाय स्तर पर अन्य लोगों को 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बता पाएं इसके लिए उन्हें तैयार करना |	सत्र - 1 90 मिनट
मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. 'शिक्षा का अधिकार' का वीडियो दिखाएं और वीडियो से जुड़े सवालों पर बातचीत करें |	15-20 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. चुने 'शिक्षा का अधिकार' (RTE) के सही बिंदु - वर्कशीट 1(b) दें और सही बिंदु चुनने को कहें | 2. सभी समूहों से एक-एक कर बिन्दु पर निशान लगाने का कारण पूछें| 3. वर्कशीट 1(c) में दिए गए तरीकों में से कोई दो गतिविधि चुनने को कहे जिस तरीके से वह स्कूल/समुदाय स्तर पर 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बताएँगे | 4. चुने गए दो तरीकों में से किसी एक तरीके से बड़े समूह में 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बताने को कहें |	55-60 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1.'शिक्षा का अधिकार' में मिलने वाली सुविधाएं दोहरा दें | और बताएं कि SMC को इसलिए शामिल किया गया ताकि a. शिक्षा का अधिकार में सारी सुविधाएँ बच्चों को मिले इसका ध्यान रखें | b. विद्यालय में आ रही समास्यों पर चर्चा हो सके| c. अभिभावकों की भागीदारी बढ़ सके और समुदाय का सहयोग मिल सके |	5-10 मिनट

दिन 1	सत्र का नाम - शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) उद्देश्य : 1. शिक्षा का अधिकार' के महत्व के बारे में और उसके अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जागरूक करना | 2.प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागी विद्यालय स्तर और सुमदाय स्तर पर अन्य लोगों को 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बता पाएं इसके लिए उन्हें तैयार करना |	सत्र - 1 90 मिनट
मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. 'शिक्षा का अधिकार' का वीडियो दिखाएं और वीडियो से जुड़े सवालों पर बातचीत रखें|	15-20 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. चुने 'शिक्षा का अधिकार' (RTE) के सही बिंदु - वर्कशीट 1(b) दें और सही बिंदु चुनने को कहें | 2. सभी समूहों से एक-एक कर बिन्दु पर निशान लगाने का कारण पूछें| 3. वर्कशीट 1(c) में दिए गए तरीकों में से कोई दो गतिविधि चुनने को कहे जिस तरीके से वह स्कूल/समुदाय स्तर पर 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बताएँगे | 4. चुने गए दो तरीकों में से किसी एक तरीके से बड़े समूह में 'शिक्षा का अधिकार' बारे में बताने को कहें |	55-60 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1.'शिक्षा का अधिकार' में मिलने वाली सुविधाएं दोहरा दें | और बताएं कि SMC को इसलिए शामिल किया गया ताकि a. शिक्षा का अधिकार में सारी सुविधाएँ बच्चों को मिले इसका ध्यान रखना | b. विद्यालय में आ रही समास्यों पर चर्चा हो सके| c. अभिभावकों की भागीदारी बढ़ सके और समुदाय का सहयोग मिल सके |	5-10 मिनट

दिन 1	सत्र का नाम - शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) उद्देश्य : 1. शिक्षा का अधिकार' के महत्व के बारे में और उसके अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जागरूक करना | 2.प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागी विद्यालय स्तर और सुमदाय स्तर पर अन्य लोगों को 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बता पाएं इसके लिए उन्हें तैयार करना |	सत्र - 1 90 मिनट
मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. 'शिक्षा का अधिकार' का वीडियो दिखाएं और वीडियो से जुड़े सवालों पर बातचीत रखें|	15-20 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. चुने 'शिक्षा का अधिकार' (RTE) के सही बिंदु - वर्कशीट 1(b) दें और सही बिंदु चुनने को कहें | 2. सभी समूहों से एक-एक कर बिन्दु पर निशान लगाने का कारण पूछें| 3. वर्कशीट 1(c) में दिए गए तरीकों में से कोई दो गतिविधि चुनने को कहे जिस तरीके से वह स्कूल/समुदाय स्तर पर 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बताएँगे | 4. चुने गए दो तरीकों में से किसी एक तरीके से बड़े समूह में 'शिक्षा का अधिकार' बारे में बताने को कहें |	55-60 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1.'शिक्षा का अधिकार' में मिलने वाली सुविधाएं दोहरा दें | और बताएं कि SMC को इसलिए शामिल किया गया ताकि a. शिक्षा का अधिकार में सारी सुविधाएँ बच्चों को मिले इसका ध्यान रखना | b. विद्यालय में आ रही समास्यों पर चर्चा हो सके| c. अभिभावकों की भागीदारी बढ़ सके और समुदाय का सहयोग मिल सके |	5-10 मिनट

दिन 1	सत्र का नाम - शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) उद्देश्य : 1. शिक्षा का अधिकार' के महत्व के बारे में और उसके अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जागरूक करना | 2.प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागी विद्यालय स्तर और सुमदाय स्तर पर अन्य लोगों को 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बता पाएं इसके लिए उन्हें तैयार करना |	सत्र - 1 90 मिनट
मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. 'शिक्षा का अधिकार' का वीडियो दिखाएं और वीडियो से जुड़े सवालों पर बातचीत रखें|	15-20 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. चुने 'शिक्षा का अधिकार' (RTE) के सही बिंदु - वर्कशीट 1(b) दें और सही बिंदु चुनने को कहें | 2. सभी समूहों से एक-एक कर बिन्दु पर निशान लगाने का कारण पूछें| 3. वर्कशीट 1(c) में दिए गए तरीकों में से कोई दो गतिविधि चुनने को कहे जिस तरीके से वह स्कूल/समुदाय स्तर पर 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बताएँगे | 4. चुने गए दो तरीकों में से किसी एक तरीके से बड़े समूह में 'शिक्षा का अधिकार' बारे में बताने को कहें |	55-60 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1.'शिक्षा का अधिकार' में मिलने वाली सुविधाएं दोहरा दें | और बताएं कि SMC को इसलिए शामिल किया गया ताकि a. शिक्षा का अधिकार में सारी सुविधाएँ बच्चों को मिले इसका ध्यान रखना | b. विद्यालय में आ रही समास्यों पर चर्चा हो सके| c. अभिभावकों की भागीदारी बढ़ सके और समुदाय का सहयोग मिल सके |	5-10 मिनट

सत्र का नाम - SMC के कार्य

उद्देश्य - 1. प्रतिभागियों की SMC से जुड़े कार्यों पर समझ बनाना |
2. प्रतिभागियों की समझ विकसित करना कि वे SMC के कार्यों को पूरा करने के लिए क्या-क्या एक्शन ले सकते हैं |

प्रशिक्षक के लिए निर्देश- सत्र से पहले स्वयं SMC के सभी कार्यों और कार्यों से जुड़े एक्शन पर अच्छे से समझ बना ले |

सत्र की प्रक्रिया-

स्टेप-1 (20 -25 मिनट)

1. सभी प्रतिभागियों को “SMC और उसके कार्य” की विडियो दिखाएँ (15 min)
(https://www.youtube.com/watch?v=GEwOpB_78Qg
2. सभी समूह को वर्कशीट 2(a) में दिये सवालों पर चर्चा करने को कहे - (10 मिनट)
   - SMC में कितने सदस्य होते है?
   - SMC बनाने का उद्देश्य क्या है?
   - SMC का पुनर्गठन कितने वर्ष में होता है?
   - SMC के कौन-कौन से कार्य होते हैं?
3. हर समूह से वर्कशीट 2(a) के किसी एक सवाल का जवाब बड़े समूह में बताने को कहें |

स्टेप-2 (30-35 मिनट)

1. सभी समूहो को "स्कूल व समुदाय स्तर पर SMC के कार्य" वर्कशीट 2(b) दे |
2. वर्कशीट 2(b) में लिखे SMC के कार्यों का मतलब पढ़कर कार्यों पर समझ बनाने के लिए 10-15 मिनट का समय दे|
3. वर्कशीट 2(b) से बनी समझ समूह से साझा करवाए |
4. इसके बाद इन कार्यों को करने के लिए SMC द्वारा लिए जाने वाले एक्शन की शीट [(वर्कशीट 2(c)] सभी समूहो को दे |
5. हर समूह को किन्हीं 2 कार्यों के लिए कोई 6 एक्शन सोचकर (समूह का हर सदस्य एक-एक एक्शन बताए)लिखने के लिए 10 मिनट का समय दें|
6. बाद में सभी छोटे समूहों को उनके SMC द्वारा लिखे गए एक्शन बड़े समूह में बताने को कहें |
7. जब कोई एक समूह बड़े समूह में उनके द्वारा लिखे गए कार्य के एक्शन बता रहा है, तो अन्य

स्टेप- 3 SMC द्वारा चुने गए कार्य(10 मिनट)

1. प्रतिभागी समूह को वर्कशीट 2(d) दें और स्कूल व समुदाय स्तर पर कोई 2 कार्य चुनने को कहे| जो वे प्रशिक्षण से जाकर करेंगे |

चुनौती

1. SMC के कार्यों के अनुसार उसके एक्शन सोचने में समस्या आ सकती है |

समाधान

1. प्रतिभागियों की सुविधा के लिए वर्कशीट - 2(b) में हर कार्य के दो-दो सुझावित एक्शन दिए हुए हैं |
2. प्रतिभागियों को SMC के कार्य व एक्शन शीट अच्छे से समझा दें |

लाभ

1. प्रतिभागी SMC के कार्यों का मतलब समझ सकेंगे |
2. प्रतिभागी SMC के किन्हीं 2-3 कार्य में क्या और कैसे काम करना है यह समझ सकेंगे |

आवश्यक समाग्री

प्रॉजेक्टर, विडियो लिंक, वर्कशीट - 2(a), 2(b), 2(c), 2(d)

दिन 1	सत्र का नाम - SMC के कार्य उद्देश्य: 1. प्रतिभागियों की SMC से जुड़े कार्यों पर समझ बनाना | 2. प्रतिभागियों की समझ विकसित करना कि वे SMC के कार्यों को पूरा करने के लिए क्या-क्या एक्शन कर/ले सकते हैं |	सत्र - 2 70 मिनट
मुख्यपद	**निर्देश**	**समय**
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. 'SMC के कार्य' की वीडियो दिखाएं और उससे जुड़े सवालों पर बातचीत करें |	20-25 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. "स्कूल व समुदाय स्तर पर SMC के कार्य" -वर्कशीट 2(b) दें और कार्यों को पढ़कर समझने को कहे | 2. बड़े समूह में कार्यों का मतलब पूछें/ कार्यों से समझ आया पूछें | 3. वर्कशीट 2(c) में कार्य के लिए दिए सुझवित एक्शन को पढ़कर समझने को कहें | 4. सुझावित एक्शन की तरह कार्य से जुड़ता हुआ एक-एक एक्शन हर सदस्य को शीट में लिखने को कहें | 5. वर्कशीट 2(d) में से SMC विद्यालय और समुदाय में जिन मुद्दों पर कार्य करेगी वह चुनने को कहें |	30-35 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. SMC के कार्य उदाहरण के साथ दोहरा दें | 2. जो भी कार्य आपने चुने हैं इस ट्रेनिंग के बाद स्कूल जाकर आप सभी सदस्यों को उन पर कार्य करना है |	5-10 मिनट

दिन 1	सत्र का नाम - SMC के कार्य उद्देश्य: 1. प्रतिभागियों की SMC से जुड़े कार्यों पर समझ बनाना | 2. प्रतिभागियों की समझ विकसित करना कि वे SMC के कार्यों को पूरा करने के लिए क्या-क्या एक्शन कर/ले सकते हैं |	सत्र - 2 70 मिनट
मुख्यपद	**निर्देश**	**समय**
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. 'SMC के कार्य' की वीडियो दिखाएं और उससे जुड़े सवालों पर बातचीत करें |	20-25 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. "स्कूल व समुदाय स्तर पर SMC के कार्य" -वर्कशीट 2(b) दें और कार्यों को पढ़कर समझने को कहे | 2. बड़े समूह में कार्यों का मतलब पूछें/ कार्यों से समझ आया पूछें | 3. वर्कशीट 2(c) में कार्य के लिए दिए सुझवित एक्शन को पढ़कर समझने को कहें | 4. सुझावित एक्शन की तरह कार्य से जुड़ता हुआ एक-एक एक्शन हर सदस्य को शीट में लिखने को कहें | 5. वर्कशीट 2(d) में से SMC विद्यालय और समुदाय में जिन मुद्दों पर कार्य करेगी वह चुनने को कहें |	30-35 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. SMC के कार्य उदाहरण के साथ दोहरा दें | 2. जो भी कार्य आपने चुने हैं इस ट्रेनिंग के बाद स्कूल जाकर आप सभी सदस्यों को उन पर कार्य करना है |	5-10 मिनट

दिन 1	सत्र का नाम - SMC के कार्य उद्देश्य: 1. प्रतिभागियों की SMC से जुड़े कार्यों पर समझ बनाना | 2. प्रतिभागियों की समझ विकसित करना कि वे SMC के कार्यों को पूरा करने के लिए क्या-क्या एक्शन कर/ले सकते हैं |	सत्र - 2 70 मिनट
मुख्यपद	**निर्देश**	**समय**
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. 'SMC के कार्य' की वीडियो दिखाएं और उससे जुड़े सवालों पर बातचीत करें |	20-25 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. "स्कूल व समुदाय स्तर पर SMC के कार्य" -वर्कशीट 2(b) दें और कार्यों को पढ़कर समझने को कहे | 2. बड़े समूह में कार्यों का मतलब पूछें/ कार्यों से समझ आया पूछें | 3. वर्कशीट 2(c) में कार्य के लिए दिए सुझवित एक्शन को पढ़कर समझने को कहें | 4. सुझावित एक्शन की तरह कार्य से जुड़ता हुआ एक-एक एक्शन हर सदस्य को शीट में लिखने को कहें | 5. वर्कशीट 2(d) में से SMC विद्यालय और समुदाय में जिन मुद्दों पर कार्य करेगी वह चुनने को कहें |	30-35 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. SMC के कार्य उदाहरण के साथ दोहरा दें | 2. जो भी कार्य आपने चुने हैं इस ट्रेनिंग के बाद स्कूल जाकर आप सभी सदस्यों को उन पर कार्य करना है |	5-10 मिनट

दिन 1	सत्र का नाम - SMC के कार्य उद्देश्य: 1. प्रतिभागियों की SMC से जुड़े कार्यों पर समझ बनाना | 2. प्रतिभागियों की समझ विकसित करना कि वे SMC के कार्यों को पूरा करने के लिए क्या-क्या एक्शन कर/ले सकते हैं |	सत्र - 2 70 मिनट
मुख्यपद	**निर्देश**	**समय**
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. 'SMC के कार्य' की वीडियो दिखाएं और उससे जुड़े सवालों पर बातचीत करें |	20-25 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. "स्कूल व समुदाय स्तर पर SMC के कार्य" -वर्कशीट 2(b) दें और कार्यों को पढ़कर समझने को कहे | 2. बड़े समूह में कार्यों का मतलब पूछें/ कार्यों से समझ आया पूछें | 3. वर्कशीट 2(c) में कार्य के लिए दिए सुझवित एक्शन को पढ़कर समझने को कहें | 4. सुझावित एक्शन की तरह कार्य से जुड़ता हुआ एक-एक एक्शन हर सदस्य को शीट में लिखने को कहें | 5. वर्कशीट 2(d) में से SMC विद्यालय और समुदाय में जिन मुद्दों पर कार्य करेगी वह चुनने को कहें |	30-35 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. SMC के कार्य उदाहरण के साथ दोहरा दें | 2. जो भी कार्य आपने चुने हैं इस ट्रेनिंग के बाद स्कूल जाकर आप सभी सदस्यों को उन पर कार्य करना है |	5-10 मिनट

सत्र का नाम - 'विद्यालय विकास योज़ना'(SDP)

उद्देश्य - 1. प्रतिभागियों की 'विद्यालय विकास योज़ना' (SDP) के फॉर्मेट और उसके उद्देश्य पर समझ बनाना |
2. प्रतिभागियों की विद्यालय विकास योज़ना(SDP) बनाने के स्टेप्स पर समझ बनाना |
3. प्रतिभागियों को सोचने के लिए सक्षम बनाना कि विद्यालय विकास योज़ना(SDP) में SMC क्या- क्या काम कर सकती है |

प्रशिक्षक के लिए निर्देश- प्रशिक्षक सत्र से पहले 'विद्यालय विकास योज़ना' (SDP) के मुख्य बिंदुओं और सत्र की प्रक्रिया पर समझ बना ले |

सत्र की प्रक्रिया-

स्टेप-1 (25-30 मिनट)

1. प्रतिभागियों को विद्यालय विकास योजना(SDP) का विडियो दिखाएं - (15 मिनट)
https://www.youtube.com/watch?v=iVxgHraV0rw
2. सभी छोटे समूह में वर्कशीट 3(a) दें में दिए सवालो पर चर्चा करने को कहे -
   - इस वीडियो में किस बिन्दु पर बात हो रही थी?|
   - विद्यालय विकास योजना बनाने का उद्देश्य पूछे?
   - SMC विद्यालय विकास योजना बनाने के लिए किन-किन व्यक्तियों से मिलती हैं ?
   - विद्यालय विकास योजना कितने वर्ष की बनायी जाती है?
3. बाद में एक-एक कर सभी समूहों को वर्कशीट 3(a) में दिए सवालों के ज़वाब बड़े समूह में बताने को कहें |

स्टेप- 2 (25-30 मिनट)

1. हर समूह को वर्कशीट 3(b) दे और पढ़ने को कहे|
2. प्रत्येक समूह को SDP का कोई एक फंक्शन वाली शीट [वर्कशीट - 3(c)] दे व पढ़ने को कहे |
3.SMC द्वारा वर्कशीट 3(b) का डाटा वर्कशीट 3(c) के साथ चिपकाने को कहे|इसके लिए उन्हे 10-15 मिनट्स का समय दे|
4. सभी समूहों से किसी एक फंक्शन में लिखे डेटा को बड़े समूह में बताने को कहें |
5. SDP से जुड़े इन सभी बिंदुओं पर सभी को संक्षिप्त में बताएं |

स्टेप- 3 (15-20 मिनट)

1. सभी SMC समूह को (worksheet-3(d) दें |
2. विद्यालय विकास योजना के मुद्दो पर उनकी SMC के क्या सुझाव लिखने को कहे | इसके लिए उन्हे 10-15 मिनट का समय दें |
3. SMC को वर्कशीट 3(d) में से आगे कार्य करने के लिए इनमें से कोई 2 मुद्दे चुनने को कहे |

चुनौती

1. 'विद्यालय विकास योज़ना' फॉर्मेट में डेटा भरने में परेशानी होना |
2. SDP से संबन्धित सुझाव सोचने व लिखने में समस्या होना |

समाधान

1. विद्यालय विकास योज़ना के डेटा का सैंपल वर्कशीट 3(b) से देख सकते हैं |
2. प्रशिक्षक एक-दो उदाहरण देकर SMC की SDP में कार्य करने के सुझाव सोचने में मदद कर सकता है |

लाभ

1. विडियो या SDP शीट के माध्यम से प्रतिभागी SDP के उद्देश्य और मुख्य बिंदुओं को समझ पाएंगे |
2. विद्यालय विकास योज़ना में SMC आगे क्या कार्य करे यह सोच पाएंगे |

आवश्यक समाग्री

वर्कशीट 3(a), 3(b), 3(c),3(d) , प्रॉजेक्टर, विडियो |

दिन 2	सत्र का नाम - 'विद्यालय विकास योज़ना' (SDP) 1. प्रतिभागियों की 'विद्यालय विकास योज़ना" (SDP) के फॉर्मेट और उसके उद्देश्य पर समझ बनाना । 2. प्रतिभागियों की विद्यालय विकास योज़ना(SDP) बनाने के स्टेप्स पर समझ बनाना। 3. प्रतिभागियों को सोचने के लिए सक्षम बनाना कि विद्यालय विकास योज़ना(SDP) में SMC क्या-क्या काम कर सकती है।	सत्र - 1 60 मिनट

मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. वीडियो दिखाएं और वर्कशीट 3(a) में दिए गए सवालों पर चर्चा करें ।	25-30 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. वर्कशीट 3(b) में दिए डेटा को पढ़कर वर्कशीट 3 (c) में चिपकाने को कहें । 2. बड़े समूह में डेटा बताने को कहें । 3. विद्यालय विकास योजना (SDP) से जुड़े बिंदुओं को संक्षिप्त में बताएं । 4. वर्कशीट 3(d) दें व् 'स्कूल विकास योजना' में कार्य करने हेतु 2 मुद्दे चुने और उन पर चर्चा कर सुझाव लिखने को कहें ।	40-45 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. विद्यालय विकास योजना के मुख्य बिंदु दोहरा दें। 2. स्कूल स्तर पर विद्यालय विकास योजना के 2 फंक्शन का डाटा भरकर HoS के कमरे के बाहर लगाए या SMC ने जो भी योजना बनाई है उसे HoS के कमरे के बाहर लगाए/अंदर लगाएं।	5-7 मिनट

दिन 2	सत्र का नाम - 'विद्यालय विकास योज़ना' (SDP) 1. प्रतिभागियों की 'विद्यालय विकास योज़ना" (SDP) के फॉर्मेट और उसके उद्देश्य पर समझ बनाना । 2. प्रतिभागियों की विद्यालय विकास योज़ना(SDP) बनाने के स्टेप्स पर समझ बनाना। 3. प्रतिभागियों को सोचने के लिए सक्षम बनाना कि विद्यालय विकास योज़ना(SDP) में SMC क्या-क्या काम कर सकती है।	सत्र - 1 60 मिनट

मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. वीडियो दिखाएं और वर्कशीट 3(a) में दिए गए सवालों पर चर्चा करें ।	25-30 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. वर्कशीट 3(b) में दिए डेटा को पढ़कर वर्कशीट 3 (c) में चिपकाने को कहें । 2. बड़े समूह में डेटा बताने को कहें । 3. विद्यालय विकास योजना (SDP) से जुड़े बिंदुओं को संक्षिप्त में बताएं । 4. वर्कशीट 3(d) दें व् 'स्कूल विकास योजना' में कार्य करने हेतु 2 मुद्दे चुने और उन पर चर्चा कर सुझाव लिखने को कहें ।	40-45 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. विद्यालय विकास योजना के मुख्य बिंदु दोहरा दें। 2. स्कूल स्तर पर विद्यालय विकास योजना के 2 फंक्शन का डाटा भरकर HoS के कमरे के बाहर लगाए या SMC ने जो भी योजना बनाई है उसे HoS के कमरे के बाहर लगाए/अंदर लगाएं।	5-7 मिनट

दिन 2	सत्र का नाम - 'विद्यालय विकास योज़ना' (SDP) 1. प्रतिभागियों की 'विद्यालय विकास योज़ना" (SDP) के फॉर्मेट और उसके उद्देश्य पर समझ बनाना । 2. प्रतिभागियों की विद्यालय विकास योज़ना(SDP) बनाने के स्टेप्स पर समझ बनाना। 3. प्रतिभागियों को सोचने के लिए सक्षम बनाना कि विद्यालय विकास योज़ना(SDP) में SMC क्या-क्या काम कर सकती है।	सत्र - 1 60 मिनट

मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. वीडियो दिखाएं और वर्कशीट 3(a) में दिए गए सवालों पर चर्चा करें ।	25-30 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. वर्कशीट 3(b) में दिए डेटा को पढ़कर वर्कशीट 3 (c) में चिपकाने को कहें । 2. बड़े समूह में डेटा बताने को कहें । 3. विद्यालय विकास योजना (SDP) से जुड़े बिंदुओं को संक्षिप्त में बताएं । 4. वर्कशीट 3(d) दें व् 'स्कूल विकास योजना' में कार्य करने हेतु 2 मुद्दे चुने और उन पर चर्चा कर सुझाव लिखने को कहें ।	40-45 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. विद्यालय विकास योजना के मुख्य बिंदु दोहरा दें। 2. स्कूल स्तर पर विद्यालय विकास योजना के 2 फंक्शन का डाटा भरकर HoS के कमरे के बाहर लगाए या SMC ने जो भी योजना बनाई है उसे HoS के कमरे के बाहर लगाए/अंदर लगाएं।	5-7 मिनट

दिन 2	सत्र का नाम - 'विद्यालय विकास योज़ना' (SDP) 1. प्रतिभागियों की 'विद्यालय विकास योज़ना" (SDP) के फॉर्मेट और उसके उद्देश्य पर समझ बनाना । 2. प्रतिभागियों की विद्यालय विकास योज़ना(SDP) बनाने के स्टेप्स पर समझ बनाना। 3. प्रतिभागियों को सोचने के लिए सक्षम बनाना कि विद्यालय विकास योज़ना(SDP) में SMC क्या-क्या काम कर सकती है।	सत्र - 1 60 मिनट

मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. वीडियो दिखाएं और वर्कशीट 3(a) में दिए गए सवालों पर चर्चा करें ।	25-30 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. वर्कशीट 3(b) में दिए डेटा को पढ़कर वर्कशीट 3 (c) में चिपकाने को कहें । 2. बड़े समूह में डेटा बताने को कहें । 3. विद्यालय विकास योजना (SDP) से जुड़े बिंदुओं को संक्षिप्त में बताएं । 4. वर्कशीट 3(d) दें व् 'स्कूल विकास योजना' में कार्य करने हेतु 2 मुद्दे चुने और उन पर चर्चा कर सुझाव लिखने को कहें ।	40-45 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. विद्यालय विकास योजना के मुख्य बिंदु दोहरा दें। 2. स्कूल स्तर पर विद्यालय विकास योजना के 2 फंक्शन का डाटा भरकर HoS के कमरे के बाहर लगाए या SMC ने जो भी योजना बनाई है उसे HoS के कमरे के बाहर लगाए/अंदर लगाएं।	5-7 मिनट

माता-पिता की भागीदारी ज़रुरी क्यों ?

उद्देश्य - 1. प्रतिभागियों की समझ बनाना कि माता-पिता की भागीदारी ज़रुरी क्यों है ?
2. प्रतिभागियों की 'माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने वाले के टूल्स' पर समझ बनाना |
3. प्रतिभागियों की क्षमता बढ़ाना ताकि वे अन्य माता-पिता तक भी माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने वाले के टूल्स पहुंचा सकें |

प्रशिक्षक के लिए निर्देश - प्रशिक्षक पहले ही कार्यशाला में होने वाले सत्र से संबन्धित टूल्स पर समझ बना ले |

प्रक्रिया

स्टेप-1 (10-15 मिनट)

1. प्रशिक्षक वर्कशीट 4(a) में दी गई केस स्टडीज एक-एक कर बड़े समूह में पढ़ें और उसमें दिए सवालों पर चर्चा करें |
2. अलग-अलग प्रतिभागियों से इन सवालों का जवाब पूछें |
3. प्रशिक्षक सभी के जवाबों को संक्षेप में एक बार दोहरा दें |

स्टेप-2 (15-20 मिनट)

1. सभी समूहो में 'हमारे एक्शन और बच्चों पर उनका बुरा/अच्छा असर' [वर्कशीट 4(b)] दे और शीट में लिखे माता-पिता के एक्शन और उसके बच्चों पर पड़ने वाले अच्छे और बुरे प्रभाव के बारे में बताएं |
2. अब सभी समूहों को 'हमारे एक्शन और बच्चों पर उनका बुरा/अच्छा असर' [वर्कशीट 4(b)] में दी खाली जगह में बच्चों पर माता-पिता के किये एक्शन का जो भी प्रभाव पड़ सकता है वह सोचकर लिखने को कहें |
3. शीट में लिखे प्रभावों को एक-एक कर सभी समूहों से बड़े समूह में बताने को कहें -
   1. माता-पिता एक्शन का बच्चे पर क्या बुरा प्रभाव पड़ता है ?
   2. आपके एक्शन का बच्चे पर क्या अच्छा प्रभाव पड़ता है ?
4. प्रतिभागियों से पूछें कि वे अपने बच्चे के साथ कैसे प्रभाव छोड़ने वाला एक्शन करना चाहेंगे - अच्छे या बुरे ?

स्टेप-3 अभिभावक भागीदारी बढ़ाने के लिए टूल्स (40 मिनट)

1. प्रतिभागियों को बताएं कि अगर वे चाहते हैं कि माता-पिता ऐसे एक्शन करें जिनका बच्चों पर अच्छा प्रभाव पड़े तो सभी माता-पिता को जो टूल्स हम बताएंगे वे प्रयोग करने को कहें |
2. सभी समूहों को माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने वाले टूल्स - दिशानिर्देश वाली वर्कशीट 4 (c) दे और उसको समझाएं व चर्चा करें |
3. सभी समूहों को अभिभावक भागीदारी गतिविधि कार्ड - वर्कशीट 4(d) दे और एक-एक कर प्रतिभागियों को सभी टूल्स समझाएं |
4. टूल्स से जुड़ी जो भी बात प्रतिभागियों को समझ नहीं आयी हो उनसे वो पूछें और उसका उत्तर दें |

स्टेप-4 सवालों पर चर्चा करें - (5 मिनट)

वर्कशीट 4 (e) "सभी माता-पिता इस टूल का इस्तेमाल करें, "आपकी SMC इसके लिए क्या करेगी", दें और उसमें से कोई दो गतिविधि चुनने को कहें |

चुनौती

टूल्स को 'अन्य अभिभावक' तक पहुंचाने की योजना बनाने में समस्या आना |

समाधान

वर्कशीट 4(e) में अन्य माता-पिता तक टूल्स पहुँचाने के सुझावित तरीके दिए हुए हैं |

लाभ

प्रतिभागी माता-पिता की भागीदारी की ज़रुरत को समझ सकेंगे |
माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने के टूल पर समझ बना सकेगें |

आवश्यक समाग्री

वर्कशीट - 4 (a), 4(b), 4(c) 4(d) व् 4(e) चार्ट पेपर/व्हाइट बोर्ड और मार्कर

दिन 2	**सत्र का नाम - माता-पिता की भागीदारी ज़रुरी क्यों ?** उद्देश्य - 1. प्रतिभागियों की समझ बनाना कि माता-पिता की भागीदारी ज़रुरी क्यों है ? 2. प्रतिभागियों की माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने वाले टूल्स पर समझ बनाना | 3. प्रतिभागियों की क्षमता बढ़ाना ताकि वे अन्य माता-पिता तक भी 'माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने वाले टूल्स' पहुंचा सकें |	सत्र - 2 80 मिनट
मुख्यपद	**निर्देश**	**समय**
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. वर्कशीट 4(a) में दी गई केस स्टडीज एक-एक कर बड़े समूह में पढ़ें और उसमें दिए सवालों पर चर्चा करें |	10-15 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. वर्कशीट 4(b) दें और शीट में लिखे माता-पिता के एक्शन का बच्चों पर पड़ने वाला अच्छा/बुरा प्रभाव बताएं व् खाली जगह में अन्य प्रभाव सोचकर लिखने को कहें | 2. एक-एक कर 'माता-पिता की भागीदारी को बढ़ाने वाले ' सभी टूल्स समझाएं | 3. SMC स्कूल जाकर अन्य माता-पिता तक बताए गए टूल्स कैसे पहुंचाएगी वर्कशीट 4(e) में लिखने को कहें |	55-60 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. बच्चों के विकास में अभिभावक भागीदारी बहुत जरुरी है | 2. अभिभावकों की बच्चों की लर्निंग में भागीदारी बढ़ाने के लिए स्कूल जाकर ज़्यादा-से-ज़्यादा माता-पिता तक यह टूल पहुँचाना है |	5 मिनट

दिन 2	**सत्र का नाम - माता-पिता की भागीदारी ज़रुरी क्यों ?** उद्देश्य - 1. प्रतिभागियों की समझ बनाना कि माता-पिता की भागीदारी ज़रुरी क्यों है ? 2. प्रतिभागियों की माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने वाले टूल्स पर समझ बनाना | 3. प्रतिभागियों की क्षमता बढ़ाना ताकि वे अन्य माता-पिता तक भी 'माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने वाले टूल्स' पहुंचा सकें |	सत्र - 2 80 मिनट
मुख्यपद	**निर्देश**	**समय**
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. वर्कशीट 4(a) में दी गई केस स्टडीज एक-एक कर बड़े समूह में पढ़ें और उसमें दिए सवालों पर चर्चा करें |	10-15 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. वर्कशीट 4(b) दें और शीट में लिखे माता-पिता के एक्शन का बच्चों पर पड़ने वाला अच्छा/बुरा प्रभाव बताएं व् खाली जगह में अन्य प्रभाव सोचकर लिखने को कहें | 2. एक-एक कर 'माता-पिता की भागीदारी को बढ़ाने वाले ' सभी टूल्स समझाएं | 3. SMC स्कूल जाकर अन्य माता-पिता तक बताए गए टूल्स कैसे पहुंचाएगी वर्कशीट 4(e) में लिखने को कहें |	55-60 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. बच्चों के विकास में अभिभावक भागीदारी बहुत जरुरी है | 2. अभिभावकों की बच्चों की लर्निंग में भागीदारी बढ़ाने के लिए स्कूल जाकर ज़्यादा-से-ज़्यादा माता-पिता तक यह टूल पहुँचाना है |	5 मिनट

दिन 2	**सत्र का नाम - माता-पिता की भागीदारी ज़रुरी क्यों ?** उद्देश्य - 1. प्रतिभागियों की समझ बनाना कि माता-पिता की भागीदारी ज़रुरी क्यों है ? 2. प्रतिभागियों की माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने वाले टूल्स पर समझ बनाना | 3. प्रतिभागियों की क्षमता बढ़ाना ताकि वे अन्य माता-पिता तक भी 'माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने वाले टूल्स' पहुंचा सकें |	सत्र - 2 80 मिनट
मुख्यपद	**निर्देश**	**समय**
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. वर्कशीट 4(a) में दी गई केस स्टडीज एक-एक कर बड़े समूह में पढ़ें और उसमें दिए सवालों पर चर्चा करें |	10-15 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. वर्कशीट 4(b) दें और शीट में लिखे माता-पिता के एक्शन का बच्चों पर पड़ने वाला अच्छा/बुरा प्रभाव बताएं व् खाली जगह में अन्य प्रभाव सोचकर लिखने को कहें | 2. एक-एक कर 'माता-पिता की भागीदारी को बढ़ाने वाले ' सभी टूल्स समझाएं | 3. SMC स्कूल जाकर अन्य माता-पिता तक बताए गए टूल्स कैसे पहुंचाएगी वर्कशीट 4(e) में लिखने को कहें |	55-60 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. बच्चों के विकास में अभिभावक भागीदारी बहुत जरुरी है | 2. अभिभावकों की बच्चों की लर्निंग में भागीदारी बढ़ाने के लिए स्कूल जाकर ज़्यादा-से-ज़्यादा माता-पिता तक यह टूल पहुँचाना है |	5 मिनट

दिन 2	**सत्र का नाम - माता-पिता की भागीदारी ज़रुरी क्यों ?** उद्देश्य - 1. प्रतिभागियों की समझ बनाना कि माता-पिता की भागीदारी ज़रुरी क्यों है ? 2. प्रतिभागियों की माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने वाले टूल्स पर समझ बनाना | 3. प्रतिभागियों की क्षमता बढ़ाना ताकि वे अन्य माता-पिता तक भी 'माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने वाले टूल्स' पहुंचा सकें |	सत्र - 2 80 मिनट
मुख्यपद	**निर्देश**	**समय**
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. वर्कशीट 4(a) में दी गई केस स्टडीज एक-एक कर बड़े समूह में पढ़ें और उसमें दिए सवालों पर चर्चा करें |	10-15 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. वर्कशीट 4(b) दें और शीट में लिखे माता-पिता के एक्शन का बच्चों पर पड़ने वाला अच्छा/बुरा प्रभाव बताएं व् खाली जगह में अन्य प्रभाव सोचकर लिखने को कहें | 2. एक-एक कर 'माता-पिता की भागीदारी को बढ़ाने वाले ' सभी टूल्स समझाएं | 3. SMC स्कूल जाकर अन्य माता-पिता तक बताए गए टूल्स कैसे पहुंचाएगी वर्कशीट 4(e) में लिखने को कहें |	55-60 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. बच्चों के विकास में अभिभावक भागीदारी बहुत जरुरी है | 2. अभिभावकों की बच्चों की लर्निंग में भागीदारी बढ़ाने के लिए स्कूल जाकर ज़्यादा-से-ज़्यादा माता-पिता तक यह टूल पहुँचाना है |	5 मिनट

सत्र का नाम - 'समस्या और समाधान'

उद्देश्य - 1. प्रतिभागियों की 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' पर समझ विकसित करना |
2. प्रतिभागियों की इस फ्रेमवर्क के उपयोग पर समझ बनाना ताकि वे अपने जीवन में/ अन्य माता-पिता के साथ इस फ्रेमवर्क को इस्तेमाल कर सकें |

प्रशिक्षक के लिए निर्देश -प्रशिक्षक सत्र से पहले ''समस्या और समाधान' सत्र के मुख्य बिंदुओं और सत्र की प्रक्रिया पर समझ बना ले |

प्रक्रिया

स्टेप-1 (20-25)

1. स्वयं एक बार बड़े समूह में बानसूर स्कूल की समस्या और वर्कशीट 5(a) में क्या करना है यह बता दें |
2. प्रतिभागियों को बानसूर स्कूल की समस्या [वर्कशीट 5(a)] में दी गयी समस्या को पढ़ उसका समाधान ढूंढने को कहें| इसके लिए उन्हे 10-15 मिनट्स का समय दे |
3. सभी समूहों से एक-एक कर बड़े समूह में जाने कि उन्होंने बानसूर स्कूल की समस्या को कैसे सुलझाया ?

स्टेप- 2 (30-35 मिनट)

1. सभी समूहों में वर्कशीट - 5 (b) दें और प्रतिभागियों को बताएं कि बानसूर की SMC ने अपनी समस्या को किस तरीके से सुलझाया |
2. प्रतिभागियों को एक-एक कर बानसूर की SMC द्वारा लिए गए 3 स्टेप बताएं और उन पर चर्चा करें |
3. अब प्रतिभागियों को छोटे समूह में यही 3 स्टेप्स पढ़कर उन पर समझ बनाने को कहें |
4. यदि किसी को कोई स्टेप समझने में परेशानी हो रही है तो उसे फिर से बड़े समूह में स्टेप समझाएं |
5. बड़े समूह में वर्कशीट 5 (c) की सहायता से समस्या समाधान के फ्रेमवर्क को बताएं |

स्टेप 3: समाप्ति बिंदु प्रशिक्षक बड़े समूह में सभी को बताए कि - (5 -10 मिनट)

1. SMCके सदस्य भी अपने स्कूल और समुदाय में इसी तरह समस्या को समझ सकते हैं|
2. विचार-विमर्श करके समस्या के कारणों के और उसके संभावित समाधान निकाल सकते हैं|
3. प्राथमिकता के आधार पर समाधान को चुन सकते हैं|
4. चुने गए समाधानों को स्कूल या समुदाय स्तर पर प्रोटोटाइप कर सकते हैं |

चुनौती

1. प्रतिभागियों को समस्या सुलझाने के स्टेप समझने में परेशानी है |
2. समस्या समाधान टूल पर प्रतिभागी प्रश्नों पूछ सकते हैं|

समाधान

1.प्रशिक्षक हर स्टेप को पढ़कर उसको समझाने के कुछ उदाहरण पहले से सोचकर रखें |
2.प्रशिक्षक पहले से ही टूल से संबंधित प्रश्नों को तैयार कर लें ताकि आवश्यकता पड़ने पर उसका उपयोग कर सके|

लाभ

ऑडियो या शीट के माध्यम से प्रतिभागी स्कूल की समस्या को सुलझाने के तरीके को समझ पाएंगे |

आवश्यक समाग्री

वर्कशीट 5 (a), 5 (b), व् 5 (c)

दिन 3	**सत्र का नाम - 'समस्या और समाधान' सत्र** उद्देश्य - 1. प्रतिभागियों की 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' पर समझ विकसित करना । 2. 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' के उपयोग पर समझ बनाना ताकि वे अपने जीवन में/ अन्य माता-पिता के साथ इस फ्रेमवर्क को इस्तेमाल कर सकें ।	सत्र - 1 70 मिनट

मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. बानसूर स्कूल की समस्या [वर्कशीट 5(a)] में दी गयी समस्या बताएं और उसका समाधान ढूंढने को कहें ।	20-25 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. बानसूर की SMC ने 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' के सारे स्टेप के उपयोग से कैसे अपनी समस्या को सुलझाया, यह बताये । 2. 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' का हर स्टेप उदाहरण के साथ समझाएं	30-35 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1.फ्रेमवर्क के सभी स्टेप एक बार उदाहरण के साथ दोहरा दें । 2. ट्रेनिंग के बाद सभी को स्कूल/ समुदाय में आने वाली समस्या को हल करने के लिए इस तरीके को काम में लेना है । 3.साथ ही किन्हीं अन्य 3 माता-पिता की समस्या को सुलझाने के लिए इस फ्रेमवर्क का उपयोग करना है ।	5-10 मिनट

दिन 3	**सत्र का नाम - 'समस्या और समाधान' सत्र** उद्देश्य - 1. प्रतिभागियों की 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' पर समझ विकसित करना । 2. 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' के उपयोग पर समझ बनाना ताकि वे अपने जीवन में/ अन्य माता-पिता के साथ इस फ्रेमवर्क को इस्तेमाल कर सकें ।	सत्र - 1 70 मिनट

मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. बानसूर स्कूल की समस्या [वर्कशीट 5(a)] में दी गयी समस्या बताएं और उसका समाधान ढूंढने को कहें ।	20-25 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. बानसूर की SMC ने 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' के सारे स्टेप के उपयोग से कैसे अपनी समस्या को सुलझाया, यह बताये । 2. 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' का हर स्टेप उदाहरण के साथ समझाएं	30-35 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1.फ्रेमवर्क के सभी स्टेप एक बार उदाहरण के साथ दोहरा दें । 2. ट्रेनिंग के बाद सभी को स्कूल/ समुदाय में आने वाली समस्या को हल करने के लिए इस तरीके को काम में लेना है । 3.साथ ही किन्हीं अन्य 3 माता-पिता की समस्या को सुलझाने के लिए इस फ्रेमवर्क का उपयोग करना है ।	5-10 मिनट

दिन 3	**सत्र का नाम - 'समस्या और समाधान' सत्र** उद्देश्य - 1. प्रतिभागियों की 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' पर समझ विकसित करना । 2. 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' के उपयोग पर समझ बनाना ताकि वे अपने जीवन में/ अन्य माता-पिता के साथ इस फ्रेमवर्क को इस्तेमाल कर सकें ।	सत्र - 1 70 मिनट

मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. बानसूर स्कूल की समस्या [वर्कशीट 5(a)] में दी गयी समस्या बताएं और उसका समाधान ढूंढने को कहें ।	20-25 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. बानसूर की SMC ने 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' के सारे स्टेप के उपयोग से कैसे अपनी समस्या को सुलझाया, यह बताये । 2. 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' का हर स्टेप उदाहरण के साथ समझाएं	30-35 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1.फ्रेमवर्क के सभी स्टेप एक बार उदाहरण के साथ दोहरा दें । 2. ट्रेनिंग के बाद सभी को स्कूल/ समुदाय में आने वाली समस्या को हल करने के लिए इस तरीके को काम में लेना है । 3.साथ ही किन्हीं अन्य 3 माता-पिता की समस्या को सुलझाने के लिए इस फ्रेमवर्क का उपयोग करना है ।	5-10 मिनट

दिन 3	**सत्र का नाम - 'समस्या और समाधान' सत्र** उद्देश्य - 1. प्रतिभागियों की 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' पर समझ विकसित करना । 2. 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' के उपयोग पर समझ बनाना ताकि वे अपने जीवन में/ अन्य माता-पिता के साथ इस फ्रेमवर्क को इस्तेमाल कर सकें ।	सत्र - 1 70 मिनट

मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. बानसूर स्कूल की समस्या [वर्कशीट 5(a)] में दी गयी समस्या बताएं और उसका समाधान ढूंढने को कहें ।	20-25 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. बानसूर की SMC ने 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' के सारे स्टेप के उपयोग से कैसे अपनी समस्या को सुलझाया, यह बताये । 2. 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' का हर स्टेप उदाहरण के साथ समझाएं	30-35 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1.फ्रेमवर्क के सभी स्टेप एक बार उदाहरण के साथ दोहरा दें । 2. ट्रेनिंग के बाद सभी को स्कूल/ समुदाय में आने वाली समस्या को हल करने के लिए इस तरीके को काम में लेना है । 3.साथ ही किन्हीं अन्य 3 माता-पिता की समस्या को सुलझाने के लिए इस फ्रेमवर्क का उपयोग करना है ।	5-10 मिनट

सत्र का नाम - 'मेरी SMC की योजना'

उद्देश्य - हर SMC समूह मिलकर आगे काम करने की योजना बना सकेगी |

प्रशिक्षक के लिए निर्देश -प्रशिक्षक सत्र से पहले "मेरी SMC की योजना' सत्र के मुख्य बिंदुओं और सत्र की प्रक्रिया पर समझ बना ले |

प्रक्रिया

स्टेप-1 (25-30 मिनट)

प्रतिभागियों को वर्कशीट 6(a) दें और उन्हें समझाएं कि -

1. वर्कशीट में 3 दिन में हुए सभी सत्रों के नाम लिखें हैं | उनके आगे उस सत्र में SMC के कार्य करने के लिए जो गतिविधियां चुनी गयी थी ['एस.एम.सी (SMC) क्या करेगी'] वह चिपकाने को कहें ||
2. यह गतिविधियां हर सत्र की आखिरी शीट में दी हुई हैं |
3. गतिविधियां चिपका लेने के बाद योजना शीट में दिए सैंपल उत्तर को पढ़कर उसको समझने को कहें कि आपकी SMC
   - कैसे यह कार्य करेगी,
   - कौन लोग इस कार्य को करेंगे
   - व् कब तक वह कार्य पूरा होगा |
4. पिछले सत्र 'समस्या को सुलझाने का तरीका' के दूसरे स्टेप (समाधान/ उपाय सोचने)को ध्यान में रखते हुए सभी सत्रों में कार्य करने के लिए चुनी गयी गतिविधियों पर कैसे कार्य किया जायेगा यह सोचकर लिखने को कहें |
5. साथ ही कब तक कार्य होगा और कौन कार्य करेगा यह लिखने को कहें |

स्टेप-2 (15-20 मिनट)

1. एक-एक कर सभी समूहों से बड़े समूह में उनकी योजना बताने को कहें | भरी गयी शीट को बड़े समूह में प्रस्तुतीकरण करवायें |

स्टेप 3: समाप्ति बिंदु (15 मिनट)

1. SMC के सदस्य बनायी गयी योजना को स्कूल में लगाएं |
2. प्रशिक्षक योजना का फोटो खींचकर 'गूगल क्लासरूम' में भेजे |

चुनौती

प्रतिभागियों को 'कार्य कैसे करें' यह सोचने में मुश्किल हो सकती है |

समाधान

1. योजना शीट में एक मुद्दे पर पूरी योजना बनाकर सैंपल के रुप में दी गयी है, उससे प्रतिभागियों को सोचने में आसानी होगी |

लाभ

प्रतिभागी अपने स्कूल की योजना बना पाएंगे और विद्यालय स्तर पर कार्य करने के लिए उनके पास बहुत से मुद्दे होंगे |

आवश्यक समाग्री

वर्कशीट 6 (a)

दिन 3	सत्र का नाम - 'मेरी SMC की योजना' उद्देश्य 1. हर SMC समूह मिलकर आगे काम करने की योजना बना सकेगी |	सत्र - 1 70 मिनट

मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. योजना शीट [वर्कशीट- 6 (a)] में क्या करना है, यह समझाएं |	5-10 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. हर सत्र के अंत में चुनी गई गतिविधियाँ, योजना शीट में चिपकाने को कहें | 2. समस्या समाधान के तरीक़े को ध्यान में रखते हुए SMC कैसे इन मुद्दों पर कार्य करेगी, यह लिखने को कहें | 3. एक-एक कर सभी से उनकी योजना बड़े समूह में बताने को कहें |	35-40 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. स्कूल जाकर इस योजना पर कार्य करने के लिए SMC को प्रोत्साहित करें | 2. SMC के सदस्य बनायी गयी योजना को स्कूल में लगाएं | 3. योजना का फोटो खींचकर 'गूगल क्लासरूम' में भेजे |	5-7 मिनट

दिन 3	सत्र का नाम - 'मेरी SMC की योजना' उद्देश्य 1. हर SMC समूह मिलकर आगे काम करने की योजना बना सकेगी |	सत्र - 1 70 मिनट

मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. योजना शीट [वर्कशीट- 6 (a)] में क्या करना है, यह समझाएं |	5-10 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. हर सत्र के अंत में चुनी गई गतिविधियाँ, योजना शीट में चिपकाने को कहें | 2. समस्या समाधान के तरीक़े को ध्यान में रखते हुए SMC कैसे इन मुद्दों पर कार्य करेगी, यह लिखने को कहें | 3. एक-एक कर सभी से उनकी योजना बड़े समूह में बताने को कहें |	35-40 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. स्कूल जाकर इस योजना पर कार्य करने के लिए SMC को प्रोत्साहित करें | 2. SMC के सदस्य बनायी गयी योजना को स्कूल में लगाएं | 3. योजना का फोटो खींचकर 'गूगल क्लासरूम' में भेजे |	5-7 मिनट

दिन 3	सत्र का नाम - 'मेरी SMC की योजना' उद्देश्य 1. हर SMC समूह मिलकर आगे काम करने की योजना बना सकेगी |	सत्र - 1 70 मिनट

मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. योजना शीट [वर्कशीट- 6 (a)] में क्या करना है, यह समझाएं |	5-10 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. हर सत्र के अंत में चुनी गई गतिविधियाँ, योजना शीट में चिपकाने को कहें | 2. समस्या समाधान के तरीक़े को ध्यान में रखते हुए SMC कैसे इन मुद्दों पर कार्य करेगी, यह लिखने को कहें | 3. एक-एक कर सभी से उनकी योजना बड़े समूह में बताने को कहें |	35-40 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. स्कूल जाकर इस योजना पर कार्य करने के लिए SMC को प्रोत्साहित करें | 2. SMC के सदस्य बनायी गयी योजना को स्कूल में लगाएं | 3. योजना का फोटो खींचकर 'गूगल क्लासरूम' में भेजे |	5-7 मिनट

दिन 3	सत्र का नाम - 'मेरी SMC की योजना' उद्देश्य 1. हर SMC समूह मिलकर आगे काम करने की योजना बना सकेगी |	सत्र - 1 70 मिनट

मुख्यपद	निर्देश	समय
पढ़ना / देखना, व् समझना	1. योजना शीट [वर्कशीट- 6 (a)] में क्या करना है, यह समझाएं |	5-10 मिनट
छोटा समूह व बड़ा समूह	1. हर सत्र के अंत में चुनी गई गतिविधियाँ, योजना शीट में चिपकाने को कहें | 2. समस्या समाधान के तरीक़े को ध्यान में रखते हुए SMC कैसे इन मुद्दों पर कार्य करेगी, यह लिखने को कहें | 3. एक-एक कर सभी से उनकी योजना बड़े समूह में बताने को कहें |	35-40 मिनट
समाप्ति के बिंदु	1. स्कूल जाकर इस योजना पर कार्य करने के लिए SMC को प्रोत्साहित करें | 2. SMC के सदस्य बनायी गयी योजना को स्कूल में लगाएं | 3. योजना का फोटो खींचकर 'गूगल क्लासरूम' में भेजे |	5-7 मिनट

Energizers(SMC कार्यशाला के दौरान कराई जा सकने वाली खेल गतिविधि)

क्रमांक	खेल का नाम	खेल की प्रक्रिया	खेल की सामग्री	खेल के लिए समय
1	**बूझो तो जाने**	1. खेल से पहले कुछ हास्य घटना / स्थिति की पर्ची तैयार करे जैसे- लॉटरी जीतना, जंगल में एक बड़े, आक्रामक, भालू की बैठक, आपको अभी नौकरी से निकाल दिया गया है, मैं ख़ुशी से से पागल हो गया आदि। 2. सभी पर्चियां एक टोकरी में रखे । 3. टीम का साथी सदस्य अपनी इच्छा से उनमें से एक - एक पर्ची उठाएगें । 4. बिना बात किये पर्ची पर लिखी हास्य स्थिति/घटना को चेहरे की अभिव्यक्तियों का उपयोग कर करके दिखाए । 5. टीम के अन्य सदस्य द्वारा वो हास्य घटना / स्थिति पहचाना ।	**प्रतिभागियों के अनुसार हास्य घटना/स्थिति की पर्ची । छोटी टोकरी ।**	**15 -20 मिनट**
2	**हा हा हा हा हा हा**	1. सभी खिलाड़ियों को एक सर्कल में बैठकर शुरू करें। 2. सभी खिलाड़ियों को बताएं कि उन्हें पूरे खेल में जितना गंभीर और गंभीर होना चाहिए। 3. गेम शुरू करने के लिए एक खिलाड़ी को चुनें, एक बार "हा" कहें। 4. उसके आगे खड़े खिलाड़ी कहते हैं कि "हा" शब्द दो बार है। 5. इस पैटर्न के बाद, तीसरा खिलाड़ी "हा" तीन बार कहता है। 6. इसी तरह खेल को आगे बढ़ाये ।		**10-15 मिनट**
3	**2 सच एक झूठ**	1. सभी प्रतिभागियों को समूह में विभाजित करे । 2. प्रतिभागियों को अपने बारे में कोई 2 सत्य व् एक झूठ बात सोचने के लिए 3 -4 मिनट का समय दे । 3. सभी समूह के प्रतिभागियों द्वारा अपने समूह में बाते शेयर करने को कहे । 4. समूह के अन्य साथियों द्वारा झूठ बात पहचानने को कहे ।		**10-15 मिनट**
4	**नाम बिंगो**	1. सभी प्रतिभागियों को समूह में विभाजित करे । 2. सभी समूह के प्रत्येक प्रतिभागी को अपने साथी सदस्य की एक्टिंग करनी है व् समूह के अन्य सदस्य द्वारा उसे पहचाना है कि वह कौन से सदस्य की एक्टिंग कर रहा है ।		**15 -20 मिनट**

Energizers(SMC कार्यशाला के दौरान कराई जा सकने वाली खेल गतिविधि)

क्रमांक	खेल का नाम	खेल की प्रक्रिया	खेल की सामग्री	खेल के लिए समय
5	**हाँ / ना**	1. सभी प्रतिभागियों को 2-2 के समूह में विभाजित करे | 2. एक प्रतिभागी समूह अपने दूसरे सदस्य से कुछ सवाल करेगा जैसे, क्या आपका नाम .... है, क्या आप स्कूल के SMC सदस्य है , क्या आपकी जेब में पेन है , क्या आपके 2 बच्चे है आदि | 3. जवाब देने वाले प्रतिभागी को इसका जवाब हाँ या नहीं में देना है | 4. जवाब देने वाला प्रतिभागी ध्यान दे कि जिस सवाल का जवाब "हाँ" है उसे हाँ बोले पर पर अपनी गर्दन से "ना" का इशारा करे | 5. जिस सवाल का जवाब "ना " है उसे "ना" कहना है पर अपनी गर्दन से "हाँ" का इशारा करे |		**15 -20 मिनट**
6	**7- अप**	1. सभी प्रतिभागियों को 12 से 15 के समूह में में खड़ा करे | 2. प्रत्येक समूह में खड़े प्रतिभागी को अपने समूह में 1 से 7 तक गिनती बोलनी है | 3. ध्यान दे- समूह में जो प्रतिभागी गिनती बोलते समय अपने हाथो से इशारा दे जैसे प्रतिभागी ने १ बोला और उसके हाथ का इशारा उसके सीधे हाथ पर खड़े व्यक्ति की तरफ है तो उसके सीधे हाथ की तरफ खड़ा व्यक्ति २ बोलेगा | 4. इसी तरह 6 तक गिनती बोलते रहे | 5. जिस प्रतिभागी के पास 7 आएगा वो 7 न बोलकर "अपने सर पर हाथ रखकर अप" कहेगा | 6. इसी तरह से खेल की इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाएँ |		**15 -20 मिनट**
7	**मैं कौन हूँ**	1. प्रत्येक समूह को अपने समूह में से किसी एक व्यक्ति को प्रतिनिधि चुनने को कहे | 2. फैसिलिटेटर समूह द्वारा चुने प्रतिनिधि को अपने पास बुलाये | 3. फैसिलिटेटर प्रत्येक समूह को लिखी हुई पर्ची दे | 4. समूह के सदस्य पर्ची में लिखा नाम देखे | 5. समूह प्रतिनिधि को समूह सदस्य की पर्ची में लिखे नाम को पहचानना है 6. नाम को पहचानने के लिए प्रतिनिधि अपने समूह सदस्य से कुछ प्रश्न करेगा जैसे- क्या मैं कोई फिल्म हूँ , मैं कोई नेता हूँ , क्या मैं हिंदी में हूँ , क्या मैं खिलाड़ी हूँ ? 7. समूह द्वारा नाम पहचानने के लिए 5 मिनट का समय दे | 8. प्रतिनिधि द्वारा नाम न पहचान पाने पर समूह सदस्य द्वारा पर्ची में लिखा नाम बताये |	**नामों की पर्ची**	**15 -20 मिनट**

Energizers(SMC कार्यशाला के दौरान कराई जा सकने वाली खेल गतिविधि)

क्रमांक	खेल का नाम	खेल की प्रक्रिया	खेल की सामग्री	खेल के लिए समय
8	**तोता कहता है**	1. समूह में से कोई एक प्रतिभागी तोता बनेगा | 2. समूह को बाकी अन्य सदस्य को तोते की सारी बात माननी है जैसे - 3. "तोता कहता है खड़े हो जाओ" तो सभी प्रतिभागी खड़े हो जाएगें | "तोता कहता है ताली बजाओं" सभी प्रतिभागी ताली बजाएगें |		**10 मिनट**
9	**नेता नेता चल बदल**	1. सभी प्रतिभगियों को बताये कि आपको अपने समूह से कोई 1 व्यक्ति चुनना है जो बाहर जाएगा | 2. बाहर जाने वाले व्यक्ति को बाहर ले जाकर बताये कि अंदर सभी सदस्यों में से एक 'नेता' है जिसे आपको पहचानना है | 3. अंदर बैठे को उनका नेता चुनने को कहे और जैसी गतिविधि नेता करेगा सभी वो ही गतिविधि करे जैसे- नेता अगर ताली बजा रहा सदस्य ताली बजायेंगे ताकि बाहर वाला व्यक्ति नेता को पहचान न सके |		**10 - 15 मिनट**
10	**मेरे समान कौन**	1. प्रतिभागियों को उनके स्कूल समूह में विभाजित करें। 2. समूह को पाँच ऐसी चीजों को खोजने के लिए कहें जो उनके टेबल पर अन्य समूह में समान हैं। 3. प्रशिक्षक प्रतिभागियों को खेल के नियम बताए - - खेल के दौरान एक समूह दूसरे समूह के सदस्य से बात नहीं करेगा | - समूह के 4 सदस्य दूसरे समूह की टेबल पर जाएगे जो अन्य समूह में उनकी टेबल के समान चीजों को देखेगे - हर समूह में एक व्यक्ति "अन्य लोगों की टेबल के समान" चीजों/लोगो की सूची बनाएगा | - दूसरा असाइनमेंट पूरा होने पर पूरे समूह को समूह की दस समानताओं की सूची का प्रस्तुतीकरण करने के लिए तैयार रहना चाहिए | - एक समूह दूसरे समूह में जाकर भी देख सकता है | 4. अन्य समूह के सामान चीजों के लिस्ट बनाने के लिए केवल 15 मिनट का समय होगा | 5. 15 मिनट होने के बाद गतिविधि रोक दे | 6. सभी समूहों से प्रस्तुतिकरण करवाए | 7. सभी समूह को कार्यशाला के विषय में संक्षिप्त में बताएं |	**नामों की पर्ची**	**10 - 15 मिनट**

DELHI

SCERT

स्वाध्यायान्म प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

Knowledge & Implementation Partner

Saajha